शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न विषयों पर आधारित रुचिपूर्ण, शैक्षिक, सामाजिक एवं नैतिक गीतों का संग्रह

गीतांजलि सृजन

माह - अगस्त 2023

संकलन - गीतांजलि सृजन टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 01-08-2023

363

तर्ज- कह दो कि तुम हमें है..

गीत- पढ़ाई का महत्व

कह दो बच्चों हमें है पढ़ना,
हमें नहीं मजदूरी करना।
पूरी पढाई हमें है करना,
पढ़-लिखकर है आगे बढ़ना।।

हाथों में गर तुम्हारे कलम है,
कर सकता नही कोई सितम है।
सफलता का यह पहला कदम है,
जीवन में शिक्षा बहुत अहम है।।

बच्चों आज यह प्रण कर लो,
पढाई में न शरारत करोगे।
माता पिता की उम्मीदें तुमसे,
सफलता की तुम सीढ़ी चढ़ोगे।।
हाथों में.....
कर सकता...

कल भविष्य सुनहरा हो तुम्हारा,
इस बात की आज कर लो फिकर।
ये सोचकर पढ़ लेना बच्चों,
यह वक्त मिलेगा न कल।।
हाथों में...
कर सकता..

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- बुधवार

दिनांक- 02/08/2023

364

तर्ज- साजन मेरा उस पार है

सैनिक भाव

तेरी माँ को तेरा इन्तजार है,
सरहद से तुझे कितना प्यार है?

मौसम त्योहारों का आ गया,
महीना सावन का भा गया।
सोंधी-सी खुशबू हवाओं में,
अहसास तेरा इन फिजाओं में।
आता नहीं क्यूँ हर बार है,
तेरे घर को तेरा इन्तज़ार है।।

घरवाली और बहना तेरी रोती है,
झूठे-मूठे ही खुश होती है।
बच्चे सवाल तेरे करते हैं,
ना किसी से लड़ते और झगड़ते हैं।।
खालीपन छाया मेरे द्वार है।
परिवार को तेरा इन्तजार है।।

तेरा नहीं भारत माँ का लाल हूँ,
फर्ज करूँ पूरा मैं कमाल हूँ।
ये सरहद ही मेरा सबकुछ माँ,
इसके बिना मैं ना कुछ भी माँ।
गर्वित तुम हो, बेटा यहाँ चौकीदार है,
इन्तजार यही जीने का आधार है।।
सरहद से मुझे इतना प्यार है,
भारत माँ ही मेरा संसार है।।

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 03-08-2023

365

तर्ज- स्वर्ग से सुन्दर सपनों से प्यारा...

गीत- जीवन सुन्दर सुखमय सबका...

जीवन सुन्दर सुखमय सबका,
है मेरी ये आस,
रहें प्रेम से हिल-मिल सारे,
पूरी हो अरदास।
कभी अरदास न टूटे,
कभी यह आस न रुठे।।-2

पढ़े-लिखे नर-नारी,
करते हैं उन्नति भारी।
होती हैं तिनके घर में,
सुख-सुबिधाएँ सारी।।
जो अनपढ़ रह जाते हैं हाँ,
जो अनपढ़ रह जाते हैं,
तिन जीवन रहे उदास।

कभी अरदास न टूटे,
कभी यह आस न रुठे।।
जीवन----------रुठे।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान — शिक्षक का सम्मान — मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शुक्रवार

दिनांक- 04/08/2023

366

गीत- सावन के त्यौहार

तर्ज- सुनो दुल्हन एक बात सुनो जी

सुनो बहन मेरी बात सुनो जी,
सावन के त्यौहार सुनो जी।
चलती है काँवड़ की कतार,
होती शिव की जय-जयकार।।

पहला है सावन सोमवार,
खुलते हैं मन्दिर के द्वार।
चढ़ती शिव पर दूध की धार,
पूजा करता है संसार।।

दूजा है तीज का त्यौहार,
करती हैं सखियाँ श्रृंगार।
पूजा करें शिव-गौरी की,
झूला झूलें, गायें मल्हार।।

तीसरा है पर्व यह पावन,
आता है जब रक्षाबन्धन।
भाई-बहन का यह त्यौहार,
राखी से बढ़ता है प्यार।।

रचना🙏🏻
पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

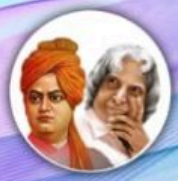

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शनिवार

दिनांक- 05/08/2023

पेंशन गीत 367

तर्ज़ - मैं पल दो पल का शायर हूँ....

मैं पेंशन का अधिकारी हूँ,
पेंशन ही मेरी कहानी है।
पेंशन ही मेरी कश्ती है,
पेंशन ही मेरी रवानी है।।

मुझसे पहले कितने शिक्षक,
ये पेंशन पाकर चले गये।
सब ख़ुशी से घर लौट गये,
सब ओ० पी० एस० ले चले गये।
वो भी पेंशन का हिस्सा थे,
मैं भी पेंशन का हिस्सा हूँ।
अब एन० पी० एस० मैं न लूँगा,
ओ० पी० एस० में ही अच्छा हूँ।।

मैं पेंशन का अधिकारी हूँ।

कल भी आएँगे साथ हमारे,
कदम मिलाकर चलने वाले।
अपना हक़ ये माँगने वाले,
पेंशन याद दिलाने वाले।
अब ओ० पी० एस० आबाद करें,
जनता भी ये फरियाद करे।
एन० पी० एस० घाटा मेरे लिये,
क्यों धन अपना बरबाद करें।।

मैं पेंशन का अधिकारी हूँ।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 07-08-2023

368

पेंशन

तर्ज़ ~कजरी

अबकी सावन में पेंशन क बात होई,
सबके मन में आस होई ना।

चाहे दिल्ली चाहे पटना,
लखनऊ में अब दिक्कत ना।
अब त रैली और धरना क बरसात होई,
सबके मन में आस होई ना।।

गाँव–गाँव, शहर–शहर,
उठत हवे एक लहर।।
अब त पेंशन तोहफा क सौगात होई,
सबके मन में आस होई ना।।

अयोध्या से शंखनाद,
बाबा विशेश्वर भी साथ,
पावन सरयू के तीरे मुद्दा साथ होई,
सबके मन में आस होई ना।।

पेंशन पाई पूरा देश,
भारत बनी फिर विशेष।
अब त खुशी–खुशी सबक विकास होई,
सबके मन में आस होई ना।।

रचना–
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद– गोरखपुर

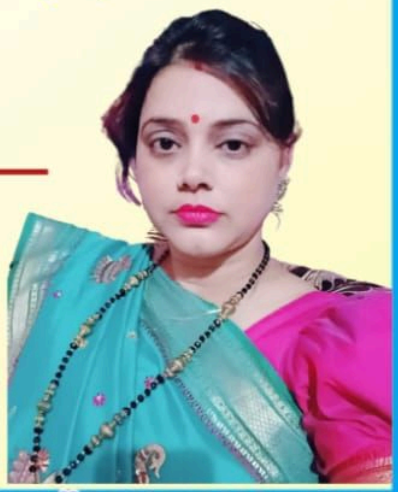

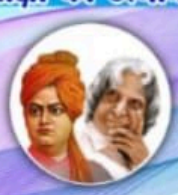

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 08/08/2023

369

तर्ज- जन्म दइयो विधाता लोकगीत...

मानवता के रथ पर वह सवार है,
गुरु चरणों में जिसका जीवन निसार है।।

गुरु वन्दना

अवगुण भरा शरीर सद्गुण से भरते,
भक्तों पे गुरुवर, जब कृपा हैं करते।
सत्कर्म सत्संग ही आधार है,
गुरु चरणों में जिसका जीवन निसार है।।

त्याग धर्म यश विवेक आशीष देते,
अमृत वचन इनके नवजीवन देते।
कोसों दूरी पर उनसे अंधकार है,
गुरु चरणों में जिसका जीवन निसार है।।

काम क्रोध लोभ मोह, मन में ना आते,
ज्ञानदीप गुरुवर जब उर में जलाते।
परमब्रह्मा भी करते उपकार हैं,
गुरु चरणों में जिसका जीवन निसार है।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

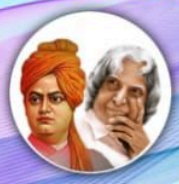

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 09.08.2023

तर्ज - चाहा है तुझको.....

370

देशभक्ति गीत- वीरों को नमन

आँखों में आँसू, रोता है अन्तर्मन।
भारत के वीरों को बारम्बार नमन।।

फाँसी के फन्दे पर हँस-हँस के झूल गये।
इस देश की खातिर वो अपना सब भूल गये।।
माँ भारती का मस्तक झुकने न दिया।
गोरों की गुलामी से मुक्त हमें किया।।
आँखों.....

सीने पर गोली शूरवीरों ने खायी।
अपने ही लहू से थी शमां जलायी।
राणा, सांगा, शिवाजी ने हार नहीं मानी।
अमर शहीदों की याद रहे कुर्बानी
विश्वगुरु भारत की अमर कहानी।।
आँखों.....

हमें चैन की नींद सुला खुद कांटों पर सोये।
संकट की घड़ी में भी वो कभी नहीं रोये।
बलिदानी वीरों ने पौरुष दिखलाया।
हिन्दुस्तान की भूमि को स्वर्ग बनाया।।
आँखों.....

भारत है प्यारा यह ऋषियों की धरती।
गंगा की धारा यहाँ कल-कल-कल बहती।
रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, ऊधम और गांधी।
चंद्रशेखर लाडला पुत्र माँ ने खोया।
याद करके बिस्मिल को हृदय अपना रोया।।
आँखों.....

रचना- मंजू शर्मा (स0अ0)
प्रा0 वि0 नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 10.08.2023

371

गीत- चलकर तुम विद्यालय आओ...

तर्ज- जन्म-जन्म जो साथ निभाये...

नन्हें नन्हें पैर तुम्हारे....
चलकर तुम विद्यालय आओ...
भरी ज्ञान से प्यारी किताबें...2
पढ़कर तुम ज्ञानी बन जाओ....2

नन्हें-नन्हें पैर तुम्हारे...
चलकर तुम विद्यालय आओ...
भरी ज्ञान से प्यारी किताबें....
पढ़कर तुम ज्ञानी बन जाओ....2

जब कक्षा में ठीचर आएँ...
मेहनत से वे तुम्हें पढ़ाएँ...2
जब कक्षा में ठीचर आएँ...
मेहनत से वे तुम्हें पढ़ाएँ...2
'अ' से 'ज्ञ' तक, ए, बी, सी, डी,...2
बड़े प्यार से तुम्हें सिखाएँ...
भरी ज्ञान से प्यारी किताबें....
पढ़कर तुम ज्ञानी बन जाओ....2

जब-जब तुम थक जाओ पढ़कर...
भाँति-भाँति के खेल खिलाएँ...2
जब-जब तुम थक जाओ पढ़कर...
भाँति-भाँति के खेल खिलाएँ...2
गिनती ज्ञान और गीत, कहानी...2
कविताएँ भी तुम्हें पढ़ाएँ....2
भरी ज्ञान से प्यारी किताबें....
पढ़कर तुम ज्ञानी बन जाओ....2

नन्हें नन्हें पैर तुम्हारे....
चलकर तुम विद्यालय आओ...
भरी ज्ञान से प्यारी किताबें...2
पढ़कर तुम ज्ञानी बन जाओ....2
नन्हें नन्हें पैर तुम्हारे....2

रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शुक्रवार

दिनांक- 11-08-2023

372

बेटी बचा लो बेटी पढा लो
बेटी बचेगी तो दुनिया बचेगी।
बेटी नही तो जग मे नही कुछ
इनके ही कारण दुनिया चलेगी।।

तर्ज- शिरडी वाले साई बाबा.....

गीत- प्यारी बिटिया

सृष्टि का जो है रचयिता,
है जग का भाग्य विधाता।
उसने ना भेद किया है,
कौन इसे मन मे लाता।
आओ हम ये भेद-भाव मिटाएँ,
तब ही तो बिटिया आगे बढेगी।।

इन्ही से सावन के झूले,
यही राखी के धागे।
तीज-त्यौहार की खुशियाँ,
सभी को संग मे बांधे।
ये ही है दुर्गा ये ही है काली,
ये ही तो लक्ष्मी लता बनेगी।।

जितना बेटे को मानो,
उतना बेटी को चाहो।
दोनो हैं भारत का कल,
मिलके भारत को बनाओ।
कन्धे से कन्धा मिलाकर चलना,
तभी हमें सारी खुशियाँ मिलेंगी।।

रचना- ऋतु श्रीवास्तव (इ०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी-2
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- शनिवार

दिनांक- 12/08/2023

373

तर्ज : है प्रीत जहाँ की.....

शीर्षक : मेरी माटी मेरा देश

चन्दन जिस देश की माटी है,
वीरों सी चौड़ी छाती है।
वन्दन कर इस माटी का,
मस्तक पर तिलक लगाता हूँ।
भारत माता को शीश झुका,
मैं हिन्द की गाथा गाता हूँ।।

माथे पर साजे चन्दा है,
गोदी में खेले गंगा है।
प्रहरी बन खड़ा हिमाला है,
हिन्द का वो रखवाला है।
ऐसे सिरमौर हिमाला को,
मैं झुक-झुक शीश नवाता हूँ।।
भारत.....

बलिदानों के दीप जला,
लाखो है जन्मे वीर यहाँ।
देकर अपनी कुर्बानी को,
हर दिल में जलाई जोत जवां।
मैं ऐसे वीर जवानों को,
नित-नित शीश झुकाता हूँ।।
भारत.....

झांसी की रानी नारी थी,
पर हार कभी ना मानी थी।
आजाद, भगत, सुखदेव, गुरु से,
गोरों की सेना कांपी थी।
ऐसे अमर सपूतों की,
संग्राम कथा सुनाता हूँ।।
भारत.....

रचना🙏
शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ प्रा वि मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 14-08-2023

374

तर्ज- तारों का चमकता गहना हो

गीत- सावन का महीना.....

सावन का महीना आया है,
वर्षा ऋतु को संग लाया है।
कभी गर्मी, शीतलता जाते,
क्या कहूँ? प्रकृति की माया है।।
सावन का.....लाया है।

चहुँ ओर खिली धरती निखरी,
छाया परिधान हरा उज्जवल।
हैं रंग-बिरंगे फूल खिले,
झूमें तरु की डाली हर पल।।
सब ताल-तलैया, कुँआ भरे,
हैं खुश किसान सब पाया है।
कभी गर्मी, शीतलता जाते,
क्या कहूँ? प्रकृति की माया है।।
सावन का.....लाया है।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

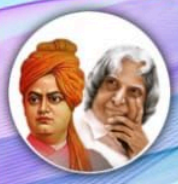

दिनांक- 15.08.2023

375

देशभक्ति गीत

तर्ज- मुझे इश्क है तुम्ही से

आजादी पायी हमने, लाखों दी कुर्बानी।
इसको सम्भाल रखना, ये त्याग की निशानी।।
आजादी पायी हमने...

ऐसा जुनून मन में, आजादी का समाया।
प्राणों की बाजी लायी, गले मौत को लगाया।
सीमाओं पे बहाया, ये खून जैसे पानी।।
इसको सम्भाल रखना...

जीने को मन तरसता, जीवन नजर ना आता।
भर आती आँख अपनी, जब याद पल वो आता।
हो गुलाम जिसकी माता, तो क्या है जिन्दगानी।।
इसको सम्भाल रखना...

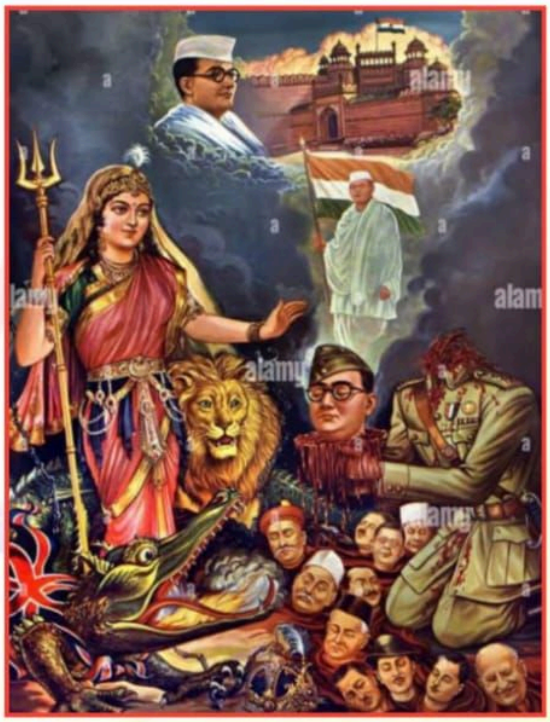

ऐसी चली वतन में, जुल्मों की काली आँधी।
लाखों मिटे बहादुर, और देवता से गांधी।
आजादी लाने को ये, कीमत पडी चुकानी।।
इसको सम्भाल रखना...

वर्षों के बाद पाया, हँसता हुआ चमन ये।
खुद को मिटा दो चाहे, मिट जाये ना वतन ये।
है रामकिशन ये, खूँ से लिखी कहानी।।
इसको सम्भाल रखना...

रचना- रामकिशन भारती (प्र0अ0)
प्राथमिक विद्यालय फैजुल्लापुर
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- बुधवार

दिनांक- 16/08/2023

376

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं

हमारा तिरंगा

बहुत प्यार करते हैं तिरंगे से हम,
मानो ना मानो तिरंगे की कसम।
बहुत------

रंग जो केसरिया ऊपर लहराये,
साहस और वीरता सब में जगाये।
इसमें नहीं हम, किसी से भी कम।।
बहुत-------

रंग सफेद जो बीच में आये,
शान्ति का सन्देश सभी में फैलाये।
जिसमें सारे जग के अगुआ हैं हम।।
बहुत----

रंग हरा जो सबसे नीचे आये,
समृद्धि और हरियाली से महकाये।
सबसे है निराला, इसमें ना है वहम।।
बहुत-----

चक्र नीला मध्य मे ये है सजाये,
तीलियाँ चौबीस गिनती में आयें।
सिखायें चलते रहना, नहीं रुकेंगे कदम।।
बहुत-----

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 17/08/2023

377

तर्ज- मैं तेरे इश्क में मर ना

गीत- वृक्ष लगाओ

धरती पर अगर जीवन बचाना है तो,
वृक्ष लगाने की शुरुआत तू कर।....2
खूबसूरत यदि दुनिया बनाना है तो,
वृक्ष लगाने की शुरुआत तू कर।।...2

भले पेड़ों से तू खूब लाभ ले,
हमारे लिए हैं नि:शुल्क उपहार ये।
पर ऐ इंसान! इतना ले तू जान।
काटकर पेड़ों को, बड़ी बेदर्दी से,
दुनिया उजाड़ने की कोशिश ना कर।।
धरती पर अगर...

पेड़ों से है सुखी संसार रे,
पेड़ों से ही हैं खुशियाँ अपार रे।
क्या मिलेगा तुझे, जरा ये तो बता?
काटकर इन हरे-भरे पेड़ों को,
हरियाली मिटाने की कोशिश ना कर।।
धरती पर यदि...

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
ब्लॉक- अमरौधा, कानपुर देहात

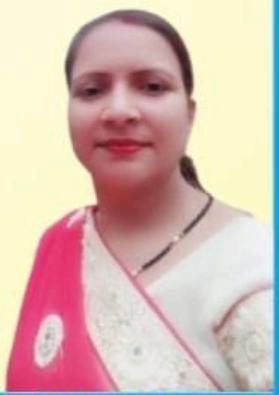

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शुक्रवार

दिनांक- 18/08/2023

तर्ज़- लोकगीत

378

गीत- शान देशवा के हवुए तिरंगा.....

शान देशवा के हवुए तिरंगा,
नभ में लहरेला पैगाम लेके।
हर तरफ चैन हो, सुख की साँसें,
कोई दुश्वारी ना हमको रोके।।
शान देशवा के.....

दे हमें शौर्य, अद्भुत पराक्रम,
मन में शीतल सी सरिता बहाए।
डरें थर-थर जिसे देख दुश्मन,
आँख टेढ़ी दिखा वो न पाएँ।।
नभ, जल, थल में देता ये फेरी,
हवा में मृदु सुगंध बहा के।
शान देशवा के.....

चूमें हम रोज नई-नई खुशियाँ,
हों तरक्की की खुशहाल घड़ियाँ।
लहलहाती फसल देख झूमें,
बिछें अमृतमयी नित्य लड़ियाँ।।
आओ धरती को स्वर्ग बनाएँ,
भारतीयता का गुन गुनाके।
शान देशवा के.....

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

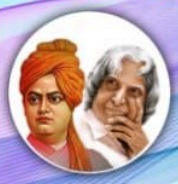

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शनिवार

दिनांक- 19.08.2023

379

गीत- माँ भारती तर्ज- कर चले हम फिदा

रंग लाया तुम्हारा जतन साथियों,
भारती अब बनी है दुल्हन साथियों।
घूम लो इस जहाँ में कहीं भी मगर,
ना मिलेगा तुम्हें ये वतन साथियों।।

देश के गीत मिलकर सभी गाइए,
देश पर जान कुर्बान कर जाइए।
जाति अरु धर्म के राग को छोड़कर,
राष्ट्र ध्वज प्रेम से आप फहराइए।।
ना मिलेगा...

सब सुखों से सभी आप वंचित हुए,
देश के हित सदा प्राण चिंतित हुए।
आखिरी सांस तक दुश्मनों से लड़े,
तनबदन आपके रक्तरंजित हुए।।
ना मिलेगा...

रचना- प्रदीप चौहान (स0अ0)
प्रा0 वि0 शिकारगढ़ी,
धनीपुर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 21/08/2023

380

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

नारी की कहानी

जिन्दगी में बहुत कुछ सहते हैं हम,
सच ही हूँ कहती, तुम्हारी कसम।
जिन्दगी-----

लेते ही जनम, सुनते है ताने,
नीचा दिखाने के ढूंढें बहाने।
बचपन में ही, बड़े हो जाते हम।।
जिन्दगी----

पाबंदियों संग बढ़ते हैं हम,
हर शिखर, फिर भी चढते हैं हम।
बेड़ियों के संग, बढते कदम।।
जिन्दगी----

घर और बाहर सबकी जिम्मेदारी,
सपनों की अपने कब आती बारी।
कहाँ खुलकर हँस पाते हैं हम।।
जिन्दगी----

रचना-

श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 22-08-2023

गीत- बढ़ता प्रदूषण

381

एक दिन हो जाएगा प्रदूषण घनघोर,
जग में हो जाएगी गन्दगी चारों ओर।
धरती की माटी पर बो दो कोई बीज,
होगी हरियाली फिर धरती को देख।।
एक दिन हो जाएगा...
जग में हो जाएगी...
ला... ला... ला...

तर्ज- एक दिन बिक जाएगा..

प्रकृति हम पर, सारी आपदा लाये,
बाढ़ का पानी जब खूब रुलाये।
प्रकृति अपना जब रौद्र रुप दिखाये,
भूकम्प से धरती को खूब हिलाये।
धरती पर चलाई छुरी, क्या थी मजबूरी?
फिर भी हम सबके समझ न आये
धरती न कहती है, चुप यह सहती है।
धरती का रक्षक बन जा, फिर दुनियाँ से बोल...
एक दिन...

पेड़ों से जुड़ी है जीवन की डोरी,
इनको न काटो शर्म करो थोड़ी।
ये सांसे हैं टूटे, प्रकृति गर रूठे,
अभी संभल जा, ओ मानव, अकल लगा थोड़ी।
पेड़ लगा क्यों बैठा है, क्या सोचे है यार।
प्रकृति से मित्रता कर ले, फिर दुनियाँ से बोल...
एक दिन...

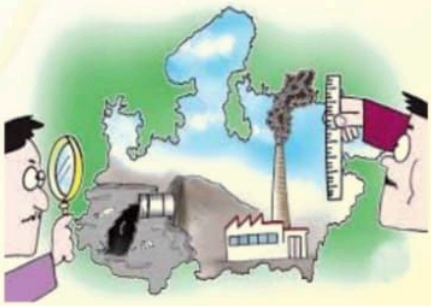

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 23-08-2023

382

तर्ज-बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

गीत- आओ चलें बच्चों स्कूल हम

आओ चलें बच्चों स्कूल हम।
पढ़ें होंगे खुशियाँ-2 न होंगे गम।।
आओ चलें बच्चों स्कूल हम।।

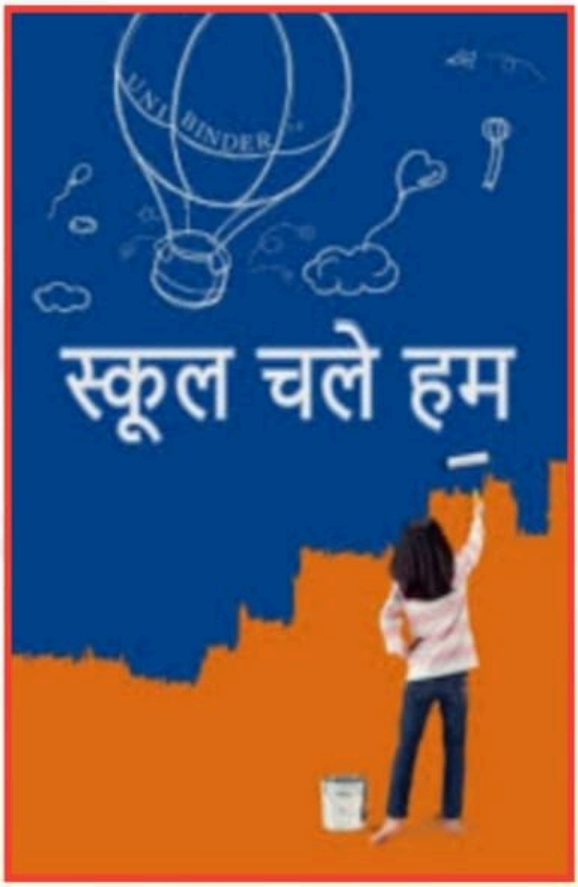

जीवन हमारा जैसे है किश्ती,
शिक्षक भरे गुण, बनायें ज्यों मिस्त्री।
रखेंगे सदा ही-2 इसे याद हम,
आओ चलें बच्चों स्कूल हम।।

जीवन की नदिया बही जा रही है,
बहारें भी देखो उठीं, गा रही हैं।
विवश क्यों हैं हम इतने-2 उर में है दम,
आओ चलें बच्चों स्कूल हम।।
पढ़ें होंगे खुशियाँ-2, न होंगे गम,
आओ चलें बच्चों स्कूल हम।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- गुरुवार

दिनांक- 24.08.2023

383

गीत- मेरा वतन, मेरी अमानत है...

तर्ज़- बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो...

मेरा वतन, मेरी अमानत है....2
करनी सदा इसकी हिफाजत है...
ये मेरी जन्नत है...2

मेरा वतन, मेरी अमानत है....2
करनी सदा इसकी हिफाजत है...
ये मेरी जन्नत है...2

जान लुटा गये कितने दीवाने...
तब ये देश बचा है...2
मेरा वतन है मेरा जहाँ...
अब ये ही अरमां है...2

तन-मन-धन मैं लुटाऊँ तुझे ऐ वतन...
सचमुच तू धरती की जन्नत है...
मेरा वतन, मेरी अमानत है....2
करनी सदा इसकी हिफाजत है...
ये मेरी जन्नत है...2

मेरा वतन, मेरी अमानत है....2
करनी सदा इसकी हिफाजत है...
ये मेरी जन्नत है...2

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन दिन- शुक्रवार

दिनांक- 25-08-2023

384

गाँव की ओर

तर्ज़ ~ आ लौट के आजा मेरे मीत...

आ लौट चलें अब गाँव,
गाँव की प्रकृति बुलाती है।
शीतल निमिया की छाँव,
वरदायिनी धरती बुलाती है।।

संकट में धरती, जो दु:ख है हरती,
तुझको बुलाये आजा...
प्रकृति है रानी,जीवन दायिनी।
मन हर्षाये आजा...
तेरे बिन सुने हैं गाँव,
वरदायिनी धरती बुलाती है।।

बारिश का पानी, नदिया की धारा,
तुझको बुलाये आजा...
लहलह फसलें, देखें ये सपने।
संस्कृति में अपने समा जा...
संस्कारों को सीख ले आज,
वरदायिनी धरती बुलाती है।।

आधुनिकता के साथ, परम्परा जरुरी,
चौपाल बुलाये आजा...
प्रगति की राहें, खोले है बाहें।
आम के गूंचे बुलायें आजा...
शीतल मन्द बहे है बयार,
वरदायिनी धरती बुलाती है।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

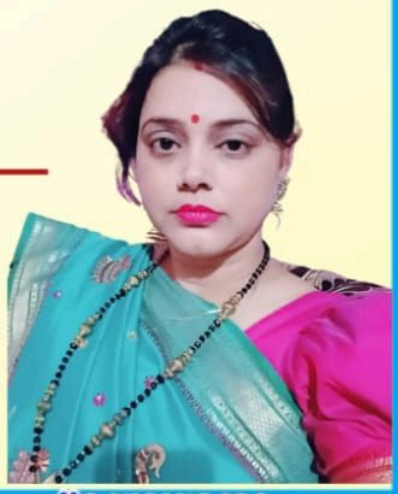

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- शनिवार

दिनांक- 26.08.2023

385

तर्ज़- राम को देखकर श्री जनक नंदिनी

गीत- चन्द्रयान 3 (विश्वास की जीत)

मन में विश्वास था, सारी चिन्ता गयी,
आ गयी, आ गयी वह घड़ी आ गयी।
चन्द्रयान ने सपने को सच कर दिया,
छा गयी अब धरा पर खुशी छा गयी।।

इसरो की टीम ने कर दिखाया कमाल,
चाँद पर है तिरंगे को फहरा दिया।
"विक्रम", "प्रज्ञान" की हौसलों से भरी,
कामयाबी तो भारत के मन भा गयी।।
मन में विश्वास था.....

दूर मंजिल बहुत थी कठिन रास्ता,
लड़खड़ाये कदम फिर भी विश्वास था।
जय हिन्द के उद्घोष की गूँज पर,
जगमगाया वतन रोशनी छा गयी।।
मन में विश्वास था.....

हम कहते थे चन्दा मामा दूर के,
चन्दा मामा तो अब हो गये टूर के।
भारत ने रचा फिर से इतिहास है,
दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग सफल हो गयी।।
मन में विश्वास था.....

रचना- मंजू शर्मा (स0अ0)
प्रा0 वि0 नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- सोमवार

दिनांक- 28.08.2023

386

तर्ज:- परदेशीयों से न अखियाँ मिलाना

भारत माँ का गीत

बलिदानियों पे ना आँसू बहाना।
तेरी आँखों से पानी, लगे ना सुहाना।।
बलिदानियों पे ना, आँसू बहाना...

आज माँ अपनी, प्यास बुझाले,
इन वीरों को, गले से लगाले।
बदला जिन्होंने तेरा, गुलामी का बाना।।
बलिदानीयों पे ना...

कुर्बान हुए लाल, तेरी सर जमीं के,
माँ रोती तो, करते क्या जी के।
जी भर के हँस ले माता, सबको हँसाना।।
बलिदानीयों पे ना...

सर पे हमारे तेरे, दूध का कर्ज था,
हमने निभाया जो, अपना फर्ज था।
छू ना पायेगा तेरा, दामन जमाना।।
बलिदानीयों पे ना...

रामकिशन अब, खत्म ये सफर है,
माता को लग जाये, तेरी जो उमर है।
आता हूँ माँ मुझे, गोद में सुलाना।।
बलिदानीयों पे ना...

रचना- रामकिशन भारती (प्र0अ0)
प्राथमिक विद्यालय फैजुल्लापुर
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- मंगलवार

दिनांक- 29/08/2023

तर्ज़- लोकगीत 387

गीत- चाँद सतह पर पहुँच यान........

चाँद सतह पर पहुँच यान,
दुनिया में बढ़ाये शान हो।
छाप तिरंगे की बिखराकर,
दिया नयी पहचान हो।।

दिवस जुलाई 14 को,
धरती से चला चाँद की ओर।
अगस्त 23 को जा पहुँचा,
दुनिया में भारत का शोर।
हर्षित देश का जन-जन होवे,
बढ़ा देश का मान हो।।
चाँद सतह पर..............

वर्षों की मेहनत रंग लायी,
खुशी से झूमे वैज्ञानिक।
बिक्रम लैंडर, रोवर अपना,
किया सभी को गौरवान्वित।
चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर भारत,
रचे नया कीर्तिमान हो।।
चाँद सतह पर..............

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- बुधवार

दिनांक- 30/08/2023

राखी का त्योहार 388

तर्ज़ - साजन मेरा उस पार है .....

आया राखी का त्यौहार है।
बहना को कब से इन्तजार है।।

रिश्ता है नोक-झोंक, लड़ाई का,
बन्धन है बहना और भाई का।
जीवन का निश्छल ये प्यार है,
इस पर न्यौछावर ये संसार है।।
आया राखी.....

बहना मेरी प्यारी सी गुड़िया है,
भैया की दुलारी ये गुड़िया है।
दोनों के बिन सूना परिवार है,
दोनों दिल का चैन-करार हैं।।
आया राखी.....

भैया के घर हम जाएँगे,
माथे उनके तिलक लगाएँगे।
कच्चे धागों में प्रेम अपार है,
थाल आरती की अब तैयार है।।
आया राखी.....

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

दिन- गुरुवार

दिनांक- 31-08-2023

गीत- चन्द्रयान- 3

389

आओ बच्चों तुम्हें बताएँ, कहानी चन्द्रयान की।
चाँद तक पहुँचे हैं हम, यह ताकत है विज्ञान की।।
आओ करें नमन...3

तर्ज- आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ

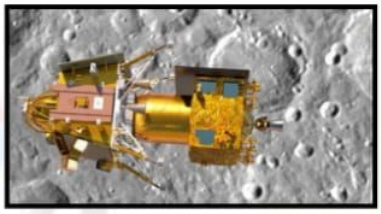

चन्द्रमा की जानकारी लाता, देखो आज चन्द्रयान है,
चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर, उतरा पहला चन्द्रयान है।
अपने मिशन पर पायी सफलता, भारत देश महान है,
दिन-रात की मेहनत का, मिला यह परिणाम है।
सबसे पहले तिरंगा फहरा, बात है अभियान की।।
आओ करें नमन.....

इसरो ने भेजा है देखो, चन्द्रयान को चाँद पर,
14 जुलाई को लाँच किया, धरती से आसमान पर।
23 अगस्त को लैण्ड हुआ, निश्चित एक स्थान पर,
जले खुशी के खूब पटाखे, धरती से आसमान पर।
बच्चा-बच्चा झूम रहा था, सफलता पर हिन्दुस्तान की।।
चाँद तक पहुँचे...

इससे पहले भारत ने, चन्द्रयान-2 छोड़ा था,
हुई गड़बड़ी सॉफ्टवेयर में, उसने सम्पर्क तोड़ा था।
उस विफलता से वैज्ञानिकों ने, हौसला न छोड़ा था,
पुनः प्रयास करके फिर, चन्द्र मिशन को जोड़ा था।
मिली सफलता वैज्ञानिकों को, बात बड़ी है शान की।।
आओ करें नमन....

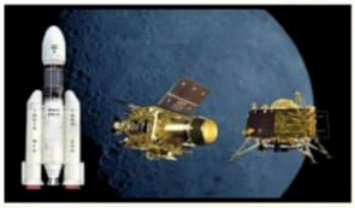

चन्द्रयान चन्द्रमा पर 14 दिन, अध्ययन करने वाला है।
इसकी भेजी तस्वीरों से, नया ज्ञान मिलने वाला।
चाँद पर भी कोई रहता है? रहस्य यह मिटने वाला है।
चाँद पर रोवर विचरण कर, अवलोकन करने वाला है।
चाँद पर जीवन सम्भव है? मिलेगी जानकारी इस बात की।।
चाँद तक पहुँचे हैं...

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

रचनाकारों की सूची

1 शहनाज बानो, चित्रकूट
2 भावना शर्मा, मेरठ
3 जुगलकिशोर त्रिपाठी, झांसी
4 पूनम गुप्ता, अलीगढ़
5 रुखसाना बानो, मिर्जापुर
6 सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
7 ज्योति विश्वकर्मा, बांदा
8 मंजू शर्मा, हाथरस
9 शिखा वर्मा, सीतापुर
10 ऋतु श्रीवास्तव, चित्रकूट
11शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
12 रामकिशन भारती, बागपत
13 मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
14 अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
15 प्रदीप चौहान, अलीगढ़

मार्गदर्शन
राजकुमार शर्मा, चित्रकूट
तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
ज्योति सागर, बागपत

संकलन - गीतांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। #9458278429